प्रतिदर्श परीक्षा प्रश्न–पत्र अंक योजना (2023–24)

विषय – हिन्दी (आधार)

कक्षा – बारहवीं

विषय कोड : 502 **प्रश्न–पत्र CODE – C**

निर्धारित समय : 3 घण्टे **कुल अंक : 80**

सामान्य निर्देश :–

1 अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।

2 वर्णनात्माक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। बल्कि सुझाावात्मक एवं सांकेतिक हैं।

3 यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिन्दुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।

4 मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्यानुसार नहीं , बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	प्रश्न उपभाग संख्या	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	अंक विभाजन
1	(i)	(क) धरती के जीवन को स्वर्गीय बनाना	1
	(ii)	(ख) आध्यात्मिकता को प्राणवान, जीवंत तथा सार्थक बना सकेंगे	1
	(iii)	(ग) प्रकृति ने अपने अक्षय भंडार को मानव-मात्र के लिए खोल रखा है	1
	(iv)	(ख) प्रकृति के प्रति सहयोग, कृतज्ञ तथा सदाशय का भाव रखकर	1
	(v)	(क) पश्चिम में आध्यात्मिक विपन्नता नहीं है	1
2	(i)	(ख) हिमगिरि	1
	(ii)	(ग) ईश्वर	1
	(iii)	(क) ईश्वर के चरणों में धरती और अंबर नतमस्तक	1
		(ख) पुनरुक्ति प्रकाश	1
	(iv)	(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) भी सही है।	1
	(v)	**अथवा**	
		(ग) संसार में संसाधनों का समान वितरण	

	(i)	(घ) उपरोकत सभी	1
	(ii)	(ग) (क) और (ख) दोनों	1
	(iii)	(घ) प्रभुत्व स्थापित करने के लिए	1
	(iv)	(क) गुण **स्वर संधि**	1
	(v)		1
3	(i)	(घ) (क) और (ख) दोनों को	1
	(ii)	(क) उज्जवलता का	1
	(iii)	(ख) संतोष	1
	(iv)	(ग) घर गिले– सुखे होते हैं	1
	(v)	(ग) 1 –(iii) , 2–(i) , 3 –(ii)	1
4	(i)	(ग) बाज़ार से अनावश्यक सामान खरीदना	1
	(ii)	(घ) भक्तिन का गौना तेरह वर्ष की आयु में हुआ।	1
	(iii)	(क) दूध – पानी	1
	(iv)	(ख) कबीरदास का	1
	(v)	(क) 1– (ii) , 2 –(iii) , 3– (i)	1
5	(i)	(ख) समाज में बदलते सांस्कृतिक– मूल्यों पर	**1**
	(ii)	(ग) देसाई	**1**
	(iii)	(घ) (ख) और (ग) दोनों	**1**
	(iv)	(क) (ii), (iii), (iv), (i)	**1**
	(v)	(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।	**1**
6	(i)	(ग) एडवोकेसी	**1**
	(ii)	(ग) 1 – (ii) , 2–(iii) , 3– (i)	**1**
	(iii)	(क) क्या , कौन , कहाँ , कब , क्यों , कैसे	**1**
	(iv)	(घ) फ्रीलांसर	**1**
	(v)	(ग) संपादक द्वारा दिए गए विषय पर ही लेखक को स्तंभ लिखना पड़ता है	**1**
7	(i)	(ग) (क) और (ख) दोनों	1
	(ii)	(घ) 1– (iii) , 2–(iv) , 3– (i) , 4– (ii)	1
	(iii)	(ख) तत्पुरुष	1
	(iv)	(ग) पुनरुक्ति संबंधी दोष	1
	(v)	(क) हमें दिल्ली आना है।	1

8	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	(ग) 500 रुपये (क) गदर (ग) 37–38 डिग्री (घ) पटेल आजाद भारत के पहले रक्षामंत्री थे। (ख) 1 –(iv) , 2–(i) , 3– (ii) , 4–(iii)	1 1 1 1 1
		खण्ड – ब **वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर**	
9		**प्रसंग व संदर्भ** – कवि – हरिवंश राय वच्चन कविता – एक गीत **व्याख्या** – कवि ने अपनी हृदयगत निराशा ,उदासी तथा प्रेम की असफलता का सजीव वर्णन किया है। **काव्य–सौन्दर्य** – प्रश्न व चित्रात्मक शैली, पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार, प्रसाद गुण व मुक्तक छंद आदि। **अथवा**	1 3 1
	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	कवि – तुलसीदास , कविता – कवितावली समाज में आजीविका से हीन लोग सोचते हैं कि हम कहाँ जाएं और क्या करें। रोजगार न मिलने के कारण रूपक अलंकार समाज में फैली गरीबी रूपी रावण को गरीबों के रक्षक प्रभु राम ही नष्ट कर सकते हैं।	1 1 1 1 1
10		**प्रसंग व संदर्भ** – लेखक – धर्मवीर भारती , पाठ – काले मेघा पानी दे **व्याख्या** – भारतवासियों की संकीर्ण मनोवृत्ति का चित्रण। **विशेष** – विचारात्मक एवं प्रश्नात्मक शैली, तद्भव शब्दावली , वाक्य विन्यास सटीक, भाषा सहज। **अथवा**	1 3 1
	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	प्रगाढ़ आत्मीयता का संबंध। भक्तिन के संबंध में स्वतंत्र व्यक्तित्व और चिरपरिचित के रूप में हर बात को साफ–साफ कह देने का स्वयं लेखिका का हनुमान–सा मानना , लेखिका की देखभाल करने के साथ–साथ सलाह–मशवरा भी देना।	1 1 1 1 1
11	(क) और (ख)	• आरम्भ • विषय वस्तु • प्रस्तुति • भाषा	1 2 1 1

	(ग)	विद्यार्थियों के दिए गए उत्तरानुसार अपने विवके से मूल्यांकन करें	5
	(घ)	यह दृश्य एक उद्यान का है। यहाँ किसी विद्यालय के बच्चे और अध्यापक विद्यालय की ओर से पिकनिक मनाने आए हैं। एक अध्यापक बच्चों के खाने के लिए लाए सामान को स्कूल बस से ला रहे है और एक अध्यापिका हाथ में फलों की टोकरी लिए एक बालिका को कुछ बता रही हैं। दो बच्चे सामान रखने में अध्यापकों की मदद कर रहे हैं और कुछ गेंद के साथ खेल रहे हैं। बच्चे बहुत खुश लग रहे हैं। इस तरह विद्यालय द्वारा बच्चों को पढ़ाई के साथ साथ दूसरी-गतिविधियों में भी शामिल करना बच्चों के सर्वांगीण विकास में बहुत मदद करता है।	5
12	**(i)**	• जब भादों मास के दौरान होने वाली घनघोर बारिश समाप्त हो जाती है तब शरद ऋतु का आगमन होता है। • खरगोश की लाल–भूरी आँखों जैसी धूप निकल आती है। • हवाओं में मनोरम सुगंधित महक फैल जाती है। • आकाश साफ और मुलायम हो जाता है।	3
	(ii)	• प्रातःकालीन आकाश की तुलना राख से लीपे गए गीले चौके से की गई है। • इस समय आकाश नम तथा धुंधला होता है और राख से लीपे गए गीले चूल्हे जैसा मटमैला होता है। • जिस तरह चुल्हा–चौका सूख कर साफ हो जाता है उसी तरह कुछ देर बाद नभ भी स्वच्छ एवं निर्मल हो जाता है।	2
13	**(i)**	• झूलसा देने वाली लू चलती थी। • कूएँ सुखने लगे थे , नलों में पानी नहीं था। ढोर–ढंगर प्यास से मर रहे थे। • खेत की माटी सूख कर पत्थर हो गई थी। • जेठ मास भी अपना ताप फैलाकर जा चुका था। गली–मुहल्ला, गाँव–शहर हर जगह लोग गरमी से त्राहिमाम कर रहे थे।	3
	(ii)	• पहलवान की ढोलक कहानी केवल सत्ता परिवर्तन या व्यवस्था परिवर्तन की कहानी नहीं बल्कि परंपरागत व्यवस्था पर नई व्यवस्था, भारत पर 'इंडिया' के आरोपित हो जाने की कहानी है। • इस परिवर्तन के तहम लुट्टन पहलवान जैसे लोगों का लोक कलाकारों पद से हटाकर निरीह जीवन व्यतीत करने को मजबूर किया जा रहा है।	2

14	**(i)**	• लेखक पढ़ना चाहता था । पिता ने अपनी इच्छा को ध्यान में रखकर लेखक की पढ़ाई छुटवा दी थी। • लेखक ने अपनी माता के साथ दत्ता जी राव सरकार के घर चलकर उनकी मदद से अपनी पढ़ाई के बारे में पिता जी को राजी करने की बात की। • माँ दत्ता जी राव सरकार बेटे की पढ़ाई की बात करती भी है और पति से छुपाती भी है।	3
	(ii)	• यशोधर बाबू सिद्धांत प्रिय व्यक्ति थे। उनका प्राचीन जीवन मूल्यों मे विश्वास था। • उनके बच्चे व पत्नी आधुनिक विचारों के थे। समय के साथ दिखावा, आडंबरपूर्ण व चकाचौंध से युक्त जीवन मे विश्वास था।	2
15	**(i)**	अनुप्रास अलंकार – जहाँ व्यंजनों की बार–बार आवृत्ति के कारण चमत्कार उत्पन्न हो। जैसे– रघुपति राघव राजा राम।	3
	(ii)	व्यंजन संधि – व्यंजन के बाद स्वर या व्यंजन का विकार सहित मेल। जैसे – सज्जन = सत् + जन।	2
16	**(i)**	• सम्यक् दृष्टि अर्थात सत्य व असत्य की पहचान की दृष्टि। • सम्यक् संकल्प अर्थात बुराई को त्यागने का पवित्र संकल्प। • सम्यक् वचन अर्थात मृदु वाणी बोलना तथा झूठ,निन्दा व अप्रिय वचन का परित्याग। • सम्यक् कर्म अर्थात मानव का कर्म अहिंसा,इन्द्रिय संयम और दयाभाव पर आधारित हो।	3
	(ii)	• हमारे लिए माता देव तुल्य है। हमारे लिए पिता देव तुल्य है। • हमारे लिए आचार्य देव तुल्य है। हमारे लिए अतिथि देव तुल्य है।	2